साहित्य अकादेमी द्वारा 'संस्कृत समुन्मेषः' राष्ट्रीय संस्कृत सम्मेलन का आयोजन तिरुपति में 60 से ज्यादा संस्कृत विद्वान एवं लेखक लेंगे भाग

के. श्रीनिवासराव

नई दिल्ली। साहित्य अकादेमी, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार एवं राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, तिरुपति और संस्कृति फाउंडेशन मैसूर के संयुक्त तत्त्वावधान में एक राष्ट्रीय संस्कृत सम्मेलन ''संस्कृत समुन्मेषः'' का आयोजन 12 से 14 जुलाई 2023 के बीच तिरुपति में किया जा रहा है। आजादी का अमृत महोत्सव के तहत होने वाले इस सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य संस्कृत को घर-घर तक पहुँचाना और संस्कृत के प्रति जनजागरूकता बढ़ाना है। इसके बारे में और जानकारी देते हुए साहित्य अकादेमी के सचिव के. श्रीनिवासराव ने बताया कि प्राचीन भारत की बौद्धिक उपलब्धियों की अमूल्य धरोहर तो संस्कृत में है ही, इसने भारतीय कला और संस्कृति को भी समृद्ध किया है। हालाँकि संस्कृत लंबे समय तक देश की भाषा थी लेकिन विभिन्न कारणों से यह शिक्षा और विद्वानों की भाषा तक सीमित होती गई। संस्कृति मंत्रालय और साहित्य अकादेमी संस्कृत के इस सीमित रूप को सुधारने तथा इसके साहित्य को जन-जन तक पहुँचाने के लिए कार्यक्रमों की एक श्रृंखला आयोजित करने की योजना बना रही है। राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, तिरुपति में आयोजित हो रहे सम्मेलन में संस्कृत के लगभग 60 प्रमुख लेखक एवं विद्वान सहभागिता कर रहे हैं।

सम्मेलन का उद्घाटन सत्र बुधवार (12 जुलाई 2023) को पूर्वाह्न 10.00 बजे होगा, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में वक्तव्य केरल के राज्यपाल माननीय आरिफ़ मोहम्मद खान द्वारा दिया जाएगा। इस सत्र में विशिष्ट अतिथि के रूप में राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति एन. गोपालस्वामी, संस्कृति मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव और वित्त सलाहकार रंजना चोपड़ा, संस्कृति मंत्रालय की संयुक्त सचिव उमा नंदूरी, तिरुमला तिरुपति देवस्थानम् के कार्यकारी अधिकारी ए.वी. धर्म रेड्डी होंगे। आरंभिक वक्तव्य राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के उपकुलपति जी.एस.आर. कृष्णमूर्ति एवं समापन वक्तव्य साहित्य अकादेमी की उपाध्यक्ष कुमुद शर्मा द्वारा दिया जाएगा। तीन दिवसीय इस सम्मेलन में आठ सत्रों में अष्टवादनम्, संस्कृत एवं योग, संस्कृत एवं भारतीय संगीत, संस्कृत एवं नृत्य एवं संस्कृत नाटकों पर विभिन्न सत्रों के अलावा कवि सम्मेलन, छात्रों द्वारा कथा वाचन, रामायण के सुंदरकांड पर केंद्रित सत्र होंगे एवं विभिन्न प्रस्तुतियाँ भी होंगी। इस सम्मेलन को और अधिक उपयोगी और सार्थक बनाने के लिए कई प्रदर्शनियों एवं संस्कृत शोभा यात्रा का भी आयोजन किया जाएगा।